भारत डायनामिक्स लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)

निगम कार्यालय, गच्ची बाउली – हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-नि.वा./एम आर/ 04 दिनांक : 5 अगस्त, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

बीडीएल ने उत्तरप्रदेश रक्षा कॉरिडर में निवेश करने यूपीईआईडीए के साथ अनुबंध ज्ञापन प्रलेख पर हस्ताक्षर किये

रक्षा मंत्रालयाधीन भारत सरकार का उद्यम भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और एक्सप्रेसवेस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीईआईडीए) उत्तरप्रदेश ने उत्तरप्रदेश रक्षा कॉरिडर में एक इकाई के विनिर्माण के लिए आज अनुबंध ज्ञापन प्रलेख (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। मिनीरत्न श्रेणी-1 की कंपनी बीडीएल का पंजीकृत कार्यालय हैदराबाद में स्थित है। कंपनी ने अपने विविधीकरण और विस्तार योजा के अंतर्गत झॉसी में इकाई स्थापित करेगी। देश में बीडीएल ही एकमात्र ऐसा सार्वजनिक रक्षा उपक्रम है जो सशस्त्र सेना बलों के लिए मिसाइल और अंतर्जलास्त्र बनाती है।

2. आज लखनऊ में उत्तरप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और बीडीएल के सीएमडी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) के समक्ष श्री एन पी दिवाकर, निदेशक (तकनीकी), बीडीएल और श्री अवनीश कुमार अवस्थी, आई ए एस, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीईआईडीए ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर श्री शिरीष चंद्र वर्मा, एसीईओ, यूपीईआईडीए, कर्नल कुलदीप सिंह त्यागी (से.नि.), वरिष्ट सहायक (रक्षा), यूपीईआईडीए और कमोडोर टी एन कौल (से.नि.), अधिशासी निदेशक (विपणन), बी डी एल उपस्थित रहे।

3. समझौता ज्ञापन के तहत बीडीएल, 30 साल की आरंभिक अवधि के लिए झॉसी में पट्टा करार के तहत 215 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण करेगा, जिसे 90 वर्ष तक बढ़ा दी जाएगी।

4. इस अवसर पर बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) ने कहा कि इस जगह पर प्रणोदन प्रणाली विनिर्माण के लिए एक नयी सुविधा स्थापित की जाएगी जिसका उपयोग कंपनी द्वारा विनिर्मित विभिन्न प्रकार की मिसाइलों के लिए किया जाएगा। ग्राहकों को विश्वस्तरीय अस्त्र-प्रणालियाँ सुपुर्द करने की क्षमता विकसित करने की पृष्ठभूमि में की जा रही विशेष पहल है। अपनी सरलीकृत नितियों के माध्यम से यू पी रक्षा कॉरिडर में उद्योगों की स्थापना के लिए निवेशकों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने यू पी ई आई डी ए और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इन्होंने आगे कहा कि बी डी एल, वर्ष 2023 तक यहाँ परिचालन कार्य शुरू हो जाएगा जिससे कि इस क्षेत्र में रोज़गार अके अवसर मिलेंगे। उम्मीद की जाती है कि एक बार बीडीएल की इकाई बन जाए तो एम एस एम ई की अनुषंगी इकाई की स्थापना की भी संभावना है।

5. बीडीएल अपनी विस्तार योजना के अंतर्गत देश की कई जगहों पर अपनी विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित कर रही है। वर्तमान में बीडीएल की तीन विनिर्माण इकाइयाँ हैं जिनमें से दो तेलंगाना राज्य में और एक आंध्रप्रदेश में स्थित हैं। आगे बीडीएल, महाराष्ट्र के अमरावती में और तेलंगाना के इब्राहीमपट्टणम में विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित करने जा रहा है। आगे, झाँसी में स्थापित की जाने वाली यह इकाई छठी इकाई और उत्तर भारत में पहली इकाई होगी।

6. विश्व रक्षा उद्यम के रुझान के अनुरूप बीडीएल, भारतीय सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए मिसाइल, अंतर्जलास्त्र और वायुवाहित उत्पादों के क्षेत्रों भविष्य की प्रौद्योगिकियों के अर्जन में निवेश कर रहा है। इसी के अनुसरण में कंपनी नॉवेल ग्रुप, फ्रांस, राफेल एडवॉस डिफेंस सिस्टम लि., इज़रायल, थेल्स, यू के, एस टी ई "SPETSTECHNOEXPORT", उक्रेइन, एमबीडीए, फ्रांस / यूके जैसी विशिष्ट मूल उपकरण विनिर्माताओं के साथ विभिन्न मिसाइल और अंतर्जलास्त्र कि विनिर्माण में सहयोगी के रूप में काम कर रही है।

7. भारत सरकार की नयी पहल ‘Vocal for Local’ और ‘Make in India, Made for the World’ के तहत बी डी एल जैसे भारतीय रक्षा उपक्रमों के लिए अधिकाधिक अवसर प्राप्त हुए हैं। ease of doing business’ इको-सिस्टम ने निर्यात प्राधिकरण का सरलीकरण कर दिया जिसके चलते विश्व बाज़ार में निर्यात के क्षेत्र में अपने कदम आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। कंपनी ने पहले ही हल्के भार वाले टॉरपिडो का निर्यात कर दिया है। साथ ही, कंपनी आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, प्रतिमारक अवसर्जन प्रणाली और टैंकरोधी संचलित प्रक्षेपास्त्र जैसे अपने अन्य उत्पादों के निर्यात कार्य में लगी हुई है।

8. बीडीएल भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सहयोग देते हुए लगातार विनिर्माण प्रोद्योगिकियों का अद्यतन कर रहा है और अत्याधुनिक औद्योगिक 4.0, रोबोटिक्स प्रचालन वर्कशाप, नये सतहधारी उपकरण संयोजन आदि क्षेत्रों में प्रयासरत है। साथ ही, बी डी एल, अपने पास उपलब्ध परीक्षणसुविधाएँ उपलब्ध कराकर विक्रेताओं को तकनीकी सहयोग भी दे रहा है। स्टार्ट-अप कंपनियों की प्रतिभागिता को बढ़ावा देने प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है।

9. साथ ही, बी डी एल, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की 'डिफेंस टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश कॉरिडर में परीक्षण आवश्यकताओं के लिए एक सुविधा स्थापित करने की योजना बना रहा है।

10. बीडीएल विदेशी कंपनियों से आयात कम कर विदेशों पर निर्भरता कम करने आंतरिक अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देते हुए डी आर डी ओ के विकास कार्यों में सहयोग देते हुए अपने उत्पादों की मारक क्षमता बढ़ाने पर बल दे रहा है। साथ ही, भारतीय सशस्त्र सेना बलों को अत्याधुनिक अस्त्र उपलब्ध कराने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उत्पाद विकसित करना आरंभ कर दिया है।

XXX